अव्यभिचारी याद से ही पाप कटेंगे
जो होते पुराने भक्त वो झट समझते
उनकों ही भक्ति का फल मिलता
जो पुराने नही उनको मुश्किल लगता
अनादि अविनाशी ड्रामा में हरेक का पार्ट अपना
साक्षी हो देखना सबका पार्ट
इस पुरानी दुनिया को बुद्धि से भुलाना
याद में रह, पावन बन पापों को काटना
माया से हारना नही ,पुरुषार्थ करना
एकाग्रता व दृढ़ता की शक्ति रखना
एक रस स्थिति की सीट पर सेट हो सहजयोगी बनना
शक्तियों का युज अच्छे अनुभव कराता

मेरा बाबा
ॐ शांति।।